

**POST GRADUATE DIPLOMA IN DISASTER
MANAGEMENT**

02842

Term-End Examination

June, 2014

**MPA-001 : UNDERSTANDING NATURAL
DISASTERS**

Time : 2 hours

Maximum Marks : 50

(Weightage 70%)

Note : Answer any five questions out of the following given in Section I and Section II, in 400 words each, selecting at least two questions from each Section. All questions carry equal marks.

SECTION I

1. Define natural disaster and briefly discuss its types in India. 10
2. Explain the various phases of disaster management cycle and examine the role of the Government of India in managing disasters. 10
3. Discuss Drought Predictability, Forecasting, Warning and Mitigation in India. 10
4. Explain Cyclone Warning and Forecasting system in India. 10
5. Write a note on Earthquake occurrence and measurement. 10

SECTION II

6. Describe the role of various agencies in Landslide management in India. 10
 7. Throw light on active methods for managing Avalanche. 10
 8. Explain the impact of hazards associated with Volcanoes. 10
 9. Discuss the precautions that need to be taken to minimise the adverse effects of Heat waves and Cold waves. 10
 10. Examine the impacts of Sea Level Rise. 10
-

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

एम.पी.ए.-001 : प्राकृतिक आपदाओं को समझना

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

(कुल का 70%)

नोट : भाग I और भाग II में दिए गए निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 400 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से कम-से-कम दो प्रश्न अवश्य चुनिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग I

1. प्राकृतिक आपदा को परिभाषित कीजिए और भारत में इसके विभिन्न प्रकारों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10
2. आपदा प्रबंधन चक्र के विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिए और आपदाओं के प्रबंधन में भारत सरकार की भूमिका का परीक्षण कीजिए। 10
3. भारत में सूखे की भविष्यवाणी, पूर्वानुमान, चेतावनी और प्रशमन की चर्चा कीजिए। 10
4. भारत में चक्रवात की चेतावनी और पूर्वानुमान पद्धति की व्याख्या कीजिए। 10
5. भूकंप की घटना घटित होने और मापन पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

भाग II

6. भारत में भूस्खलन प्रबंधन में विभिन्न अभिकरणों की भूमिका का वर्णन कीजिए । 10
7. अवधाव संकट प्रबंधन की सक्रिय पद्धतियों पर प्रकाश डालिए । 10
8. ज्वालामुखियों से संबद्ध संकटों के प्रभाव की व्याख्या कीजिए । 10
9. उष्णता लहरों और शीत लहरों के प्रतिकूल प्रभावों को न्यूनतम करने के लिए जिन सावधानियों की आवश्यकता है उन पर चर्चा कीजिए । 10
10. समुद्र तल के ऊपर उठने के प्रभावों का परीक्षण कीजिए । 10
